स्वास्थ्य शिक्षा पुस्तकालय - लोगों के लिए

दुनिया का सबसे बड़ा **मुफ्त** स्वास्थ्य पुस्तकालय है.

यह एक आधुनिक पुस्तकालय है जो सभी बीमारियों के बारे में विश्वसनीय जानकारी प्रदान करता है.

अब हमारा लक्ष्य इन क्षेत्रों में है :

1. स्वास्थ्य बीमा कंपनियों को रोग शिक्षा में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करना
2. रोग जानकारी थेरेपी की वकालत करना
3. रोगियों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्रों की स्थापना करना
4. वेबसाइट के लिए ,भारतीय भाषाओं में , रोगी के लिए शैक्षिक सामग्री तैयार करना

For more information on this subject:
Ask the Librarian : Free Answers to any Health Questions !!
http://www.healthlibrary.com/information.htm

For More Info: ASK A LIBRARIAN

LET'S HELP ERADICATE IGNORANCE

Health Education Library For People
206,Dr. D.N.Road,
National Insurance Bldg.,
Ground Floor,
Near New Excelsior Cinema,
Mumbai – 400 001.
Tel: 22061101, 22031103, 65952393, 65952394
Email: helplibrary@gmail.com
www.helpforhealth.org

HEALTH EDUCATION LIBRARY FOR PEOPLE

स्वास्थ्य शिक्षा पुस्तकालय - लोगों के लिए

दाँत

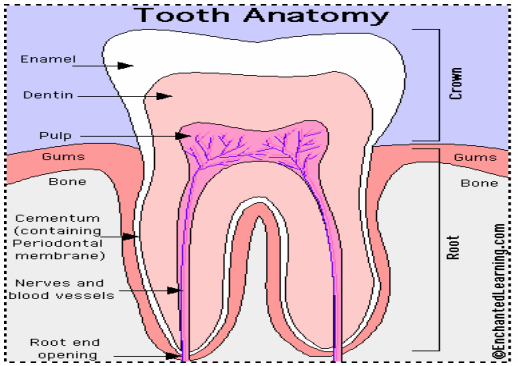

LET'S HELP ERADICATE IGNORANCE

दाँत कैसे बने होते हैं?

दाँत, हड्डियों की तरह, शरीर के सबसे मजबूत भागों में से है कैल्शियम और फॉस्फेट जैसे खनिज उन्हें ऐसी शक्ति देते हैं।

दाँत कितने होते हैं?

कुल 32 दांत होते है, दोनों ओर जो समान रूप से, केवल आकार में मामूली अंतर को छोड़कर ऊपर और निचले जबड़े में विभाजित होते हैं। ऊपरी जबड़े में दाँत उसी के निचले जबड़े की तुलना में बड़े होते हैं।

दाँत कैसे विकसित होते हैं?

दांत दो सेट में होते हैं, पहले अस्थायी दूध के दांत, जो स्थायी दांत की जगह होने पर गिरने से बनते हैं। दाँत जबड़े की हड्डी में अपने सॉकेट में विकसित और मौखिक गह्वर में बच्चे के रूप में दूध के दांत बाहर धकेलने के द्वारा फूट कर बढ़ते हैं। स्थायी दांत के 3 तीसरा मॉलॉर को छोड़कर अधिकांश दांत 10-12 वर्ष की उम्र से आने लगते हैं।

एक दाँत के क्या भाग रहते हैं?

प्रत्येक दाँत की संरचना परतों में भिन्न होती है और एक विशेष कार्य होता है। दांत का जबड़े के ऊपर दिखाई देन वाला हिस्सा "क्राऊन" कहा जाता है और जबड़े के अंदर को "मूल" कहा जाता है। बाहर से परतों का वर्णन इस प्रकार किया जा सकता है:

·दंतवल्क:इस बाह्यतम परत को दंतवल्क कहते है।यह सफेद खोल होता है सुरक्षा कवच की तरह है और यह दाँत की सबसे कठिन हिस्सा होता है।दंतवल्क दर्द के प्रति संवेदनशील नहीं होती है।इस दंतवल्क का रंग दाँत का रंग निर्धारित करता है। यदि दंतवल्क की अखंडता क्षय या अभिघातजन्य चोट से समाप्त हो जाती है, तो डेन्टीनल ट्यूब्यूल हवा और रासायनिक हमले से प्रभावित हो जाती है।

·डेन्टीन : दंतवल्क के नीचे का अगला स्तर बोनी डेन्टीन है।यह लाखों समानांतर सूक्ष्म तंत्रिका ऊतक से बना होता है और संवेदनशील होता है।

·पल्प: यह भीतरी कोर मुलायम ऊतकों, रक्त वाहिकाओं, नसों और संयोजी ऊतक से बना होता है। यह दाँत के 'जीवित' हिस्सा के रूप में रहता है। यह दांत का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है।

·मसूढे : ये मसूड़ों की सामान्य अस्तर होते हैं,जो जड़ और हड्डी के चारों ओर रहते हैं।

·पेरिडॉन्टल लिगमेंट: यह एक बहुत पतली मुलायम ऊतक, जो शीथ की तरह दाँत के चारों और होती है, एक जुर्राब और जूते तरह आसपास के हड्डी से अलग करती है। यह पतली कोमल ऊतक दंत चिकित्सा उपकरण की संरचना का एक अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा होती है क्योंकि यह रोगाणुयुक्त मौखिक गुहा को दोनों एक जैविक बैरियर रोगाणुरहित हड्डी के नीचे और रक्त की आपूर्ति से अलग रखने के रूप में काम करती है। साथ ही एक शॉक अवशोषक के रूप में एक कुछ मात्रा में दाँत के ऊपर दबाव की रक्षा करती है।